विवरण 33 : राज्य सरकारों के बकाया बाजार ऋण
(मार्च 2010 के अंत की स्थिति)

(राशि करोड़ रुपये में)

राज्य	राज्य विकास ऋण	पावर बांड	गैर ब्याजवाही बाजार ऋण	क्षतिपूर्ति बांड	कुल बकाया बाजार ऋण
1	2	3	4	5	6= 2 से 5
I. गैर विशेष श्रेणी					
1. आंध्र प्रदेश	51,622	1,583	0.9	0.1	53,206
2. बिहार	15,872	1,349	0.3	20.4	17,242
3. छत्तीसगढ़	2,746	314	0.1	0.1	3,060
4. गोवा	2,399	–	0.2	–	2,399
5. गुजरात	34,949	1,059	1.7	2.4	36,012
6. हरियाणा	10,929	1,314	0.1	–	12,244
7. झारखंड	7,647	1,375	0.1	6.9	9,029
8. कर्नाटक	23,526	–	0.2	0.4	23,527
9. केरल	25,973	753	0.1	1.0	26,727
10. मध्य प्रदेश	21,620	1,732	0.2	0.4	23,352
11. महाराष्ट्र	59,289	662	1.9	2.6	59,956
12. उड़ीसा	6,783	717	0.1	–	7,500
13. पंजाब	22,235	414	0.1	–	22,649
14. राजस्थान	30,610	129	0.2	–	30,740
15. तमिलनाडु	41,019	–	1.2	–	41,020
16. उत्तर प्रदेश	54,929	3,817	2.7	39.7	58,788
17. पश्चिम बंगाल	58,727	1,276	2.7	2.3	60,008
II. विशेष श्रेणी					
1. अरुणाचल प्रदेश	684	16	–	–	700
2. असम	10,747	557	–	0.1	11,304
3. हिमाचल प्रदेश	8,835	46	–	–	8,881
4. जम्मू और कश्मीर	8,257	1,034	0.2	–	9,291
5. मणिपुर	1,803	102	0.1	–	1,905
6. मेघालय	1,646	9	–	–	1,655
7. मिजोरम	1,062	30	–	–	1,092
8. नागालैंड	2,820	51	0.1	–	2,871
9. सिक्किम	1,267	31	–	–	1,298
10. त्रिपुरा	1,446	41	0.1	–	1,487
11. उत्तराखंड	6,345	372	0.1	2.1	6,719
सभी राज्य	**5,15,785**	**18,784**	**13.4**	**78.5**	**5,34,661**
ज्ञापन मदें:					
1. पुदुचेरी	1,187	–	–	–	1,187

'–' : शून्य / नगण्य।

टिप्पणी : 1. बिहार, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के अविभाजित राज्यों के बकाया बाजार ऋण नव गठित राज्यों झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड में उनकी जनसंख्या के आधार पर प्रभाजित किए गए हैं।

2. 1 अप्रैल 2010 को चुकौती वाले पावर बांड का भुगतान 31 मार्च 2010 को किया गया क्योंकि बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी के लिए 1 अप्रैल 2010 को परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत मुंबई में अवकाश घोषित किया गया था। इसलिए उन्हें मार्च 2010 के अंत में बकाया दर्शाया गया है।

स्रोत: रिजर्व बैंक के रिकॉर्ड।